RRB ALP & TECHNICIAN 2024 & झारखण्ड पुलिस भर्ती

Pilot Batch (CBT- 1&2)

सेवक बैच

HISTORY

तुगलक वंश

Part -2

LIVE 04-04-2024 09:00 AM

⇒ होली के त्योंहार के सार्वजनिक उत्सव में भाग लेने वाला दिल्ली सल्तनत का प्रथम सुल्तान :- मोहम्मद बिन तुगलक

⇒ विजयनगर साम्राज्य की स्थापना :- हरिहर एवं बुक्का (1336)
→ शासनकाल :- मोहम्मद बिन तुगलक

⇒ दिल्ली सल्तनत का प्रथम सुल्तान था जो अजमेर में शेख मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह व बहराइच में सालार के मसूद के मकबरे में गया।

⇒ मृत्यु :- २० March 1351 ई० को सिन्ध के विद्रोह को दबाते समय थट्टा नामक स्थान पर

⇒ मृत्यु पर इतिहासकार बरनी ने कहा कि अततः लोगो को उससे उसे लोगो से मुक्ति मिली।

③ फिरोजशाह तुगलक :- 1351-1388 AD

पिता का नाम :- रज्जब (मोहम्मद बिन तुगलक का सिपहसालार)

माता का नाम :- बीबी नैला अबूहर (राजपूत सरदार रणमल की पुत्री)

⇒ मुस्लिम इतिहास में फिरोजशाह तुगलक एकमात्र सुल्तान था, जिसने स्वयं को खलीफा का नायब कहा था।

⇒ ब्राह्मणों पर जजिया कर लगाने वाला दिल्ली सल्तनत का प्रथम सुल्तान फिरोज शाह तुगलक था।

⇒ हक्क-ए-शर्व अथवा सिचाई कर लगाने वाला दिल्ली सल्तनत का प्रथम सुल्तान था

⇒ राज्य के खर्च पर हज की व्यवस्था करने वाला दिल्ली सल्तनत का प्रथम सुल्तान था।

↳ टोपरा तथा मेरठ से दो अशोक स्तम्भ लेवो को दिल्ली लेकर आया।

⇒ फिरोजशाह तुगलक के दरबार में सबसे ज्यादा गुलाम रहते थे।

⇒ दीवान-ए-बंदगान (गुलामो के लिए) विभाग की स्थापना की

⇒ दिल्ली के किस सुल्तान ने सबसे ज्यादा नहरो का निर्माण करवाया था → फिरोजशाह तुगलक

⇒ सर्वप्रथम लोक निर्माण विभाग की स्थापना फिरोजशाह तुगलक ने की थी।

⇒ हिसार, फिरोजपुर, जौनपुर, फिरोजाबाद फतेहाबाद नामक नगर बसाये।

⇒ दिल्ली सल्तनत के किस सुल्तान ने फलो की गुणवत्ता सुधारने के उपाय किये थे- फिरोजशाह तुगलक

⇒ फिरोजशाह तुगलक द्वारा स्थापित दार-उल-शफा क्या था – एक खैराती अस्पताल

१२०० नए बाग लगाए

⇒ अनाथ मुस्लिम महिलाओं, विधवाओं व लड़कियों की सहायता के लिए दीवान-ए-खैरात विभाग की स्थापना की।

⇒ फिरोजशाह तुगलक ने सैन्य पदों को वंशानुगत कर दिया था।

⇒ आर्थिक एवं प्रशासनिक सुधारों के कारण 'दिल्ली सल्तनत का अकबर' कहा जाता है।

⇒ चार नए कर :- ① खराज (लगान)
② खम्स (खुम्श) → युद्ध में लूट का माल
③ जजिया (ब्राह्मणों पर)
④ जकात (मुस्लिमों से)

⇒ फिरोजशाह तुगलक की आत्मकथा :- फतूहात -ए -फिरोजशाही